

einem gegebenen Augenblick da sein BHAG. 5, 26. अकृमेकः प्रथममासं वर्ता-
मि च भविष्यामि च MUIA, ST. IV, 298, 8. अतीतानागता भावा ये च वर्तन्ति
संप्रतम् Spr. 3412. ग्रहणसमयवेला वर्तते शीतरश्मेः 990. इयं च वर्तते
संध्या BRAHMA-P. in LA. (III) 53, 22. मम प्रसवसमयो वर्तते PANĀT. 74,
19. वर्तते ऽथ मघाः R. GORR. 1, 73, 23. कालावस्था तदा ह्यन्या न सा
वर्तति संप्रतम् MBH. 3, 11229. सार्यं संप्रति वर्तते Spr. 1960. Vrt. in LA.
(III) 29, 19. कोपस्यायं न कालो मे साध्यमन्यद्भि वर्तते KATHĀS. 21, 77.
अब्रह्मण्यमब्रह्मण्यं वर्तते PANĀT. 101, 1. वर्तमानं gegenwärtig; n. Gegen-
wart BHAG. 7, 26. P. 3, 2, 123, 3, 131. MĀLAV. 3, 13. BHĀG. P. 8, 13, 1. SAR-
VADARĀNAS. 7, 12, 9, 21, 10, 6, 50, 5. HALĀJ. 5, 94. VOP. 3, 27, 23, 1. PAN-
ĀT. 48, 8. वर्तिष्यमाणं zukünftig SARVADARĀNAS. 10, 6. वर्त्स्यन्त् dass.
BHATT. 8, 67. — 11) im gegebenen Augenblick noch da sein, am Leben
sein UTTARAR. ed. Cow. 66, 2. KATHĀS. 18, 229. bestehen: तेनेदे वर्तते
जगत् Spr. 3200. वर्तते ऽथ मकानयोः कल्पयाये ऽप्यनत्ययः। संगमो न-
गरोपाते स सुव्योपक्रमस्तयोः ॥ RĀGA-TAR. 5, 98. noch Geltung haben,
fortgellen so v. a. aus dem Vorhergehenden zu ergänzen sein: अत्रतेरि-
ति वर्तते PAT. zu P. 8, 3, 67. KĀC. zu 1, 1, 50, 57, 2, 39. Schol. zu 25.
Comm. zu NĀJAS. 2, 1, 49. — 12) das zur copula geschwächte sein: ता-
वेकनिश्चयौ u. s. w. निरत्तरमवर्तताम् MBH. 1, 7622. शुगुप्सिता च वर्त्स्या-
मि (वर्त्स्यामि die neuere Ausg.) पतिपत्नैर्निराकृता HARIV. 4620. बद्धीना
वयं सर्वे वर्तामः सततं विभो Verz. d. Oxf. H. 80, a, 27, 58, b, 36. संप्रतं
सा रजस्वला वर्तते Vrt. in LA. (III) 8, 9, 29, 14. KUMĀRAS. 5, 65. RAGH.
19, 19. KATHĀS. 29, 137, 37, 221. KĀC. zu P. 1, 1, 56. RĀGA-TAR. 6, 267.
PANĀT. 69, 17. समायातः Vrt. in LA. (III) 7, 14. fg. निवृत्तमेव स्थानं
वर्तते HIT. 26, 11, v. 1. द्रष्टव्यो वर्तते स नः KATHĀS. 102, 45. लावाणके
ऽस्माकं गतानां वर्तते चिरम् es ist lange her, dass 15, 123. इति मे वर्तते
बुद्धिः so ist meine Meinung R. 5, 92, 9. mit einem absol.: सत्यमतीत्य
हृरितो हृरीश वर्तते वाजिनः so v. a. übertreffen an Geschwindigkeit ÇĀK.
6, 5. — 13) hervorgehen aus (abl.), entstehen in (loc.): मुखतो ऽवर्तत ब्रह्म
पुरुषस्य BHĀG. P. 3, 6, 30, fg. विशो ऽवर्तत तस्योर्वोः 32. — 14) trans.
mit einem acc.: वृत्तिम् ein Verfahren einschlagen, verfahren (mit loc. der
Person, selten mit प्रति) MBH. 1, 4832, 2, 152, 3, 14666 (वर्तामि). 13, 9,
11, 677 (वर्तसि). R. 2, 44, 5, 88, 18, 73, 8. R. GORR. 2, 75, 25, 3, 1, 7, 10,
4, 17, 52. न लोकवृत्तं वर्तेत वृत्तिहेतोः M. 4, 11. संवृत्तिम् R. GORR. 2, 109,
31. anwenden, gebrauchen: सर्वोपायम् R. SCHL. 2, 82, 18. मयि कौर्याण्य-
वर्तत KATHĀS. 106, 80. तद्विपर्ययम् BHĀG. P. 8, 21, 21. प्रिया खलु नो भवती
सती प्रियमवृत्तत् (अवृत्तत् BHĀ. ĀR. Up.) so v. a. erweisen ÇAT. BR. 14, 1,
4, 10. किमिदं वर्तते so v. a. treiben, thun R. 7, 23, 5. — 15) nicht hier-
her scheint zu gehören: भूम्या वृत्ताय नो ब्रूहि यतः खनैम् तं व्यम् wähle
aus und sage, wo im Boden u. s. w. (also वृत्ताय zu schreiben; =
स्पृष्ट्वा MAHIDH.) VS. 11, 19.

— caus. वर्तयति DĀKṚP. 33, 108 (भाषार्थ, v. 1. भासार्थ). अवीवृत्तत् und
अववर्तत् P. 7, 4, 7; Schol. VOP. 18, 4. ववृत्तत् ved.; aus metrischen Rück-
sichten auch med. 1) in drehende Bewegung setzen, schwingen, rollen
lassen, schleudern: वर्तयति द्विवो वधम् RV. 7, 104, 4. अथुं 14, 95, 12. fg.
अङ्घ्रिं खं वर्तया पणाम् (SV. richtig पविम् 156, 3. चक्रम् 2, 11, 20. कस्तवर्त
(कारवर्त) वर्तयति P. 3, 4, 39. अन्त्यान्कस्तवर्तमवीवृत्तत् BHATT. 15, 37. तसू-
न्सततं वर्तयन्त्यौ MBH. 1, 809. दिनु चक्रमवर्तयत् BHĀG. P. 9, 20, 32. कुरु-

जाङ्गले — निवृत्तवर्तयति (so v. a. वर्तितनिवृत्तक्रेः; वर्तित = पालित
Comm.) 1, 16, 11. यो (वायुः) ज्योतीषि वर्तयति ÇĀK. 103. अश्रूणि so v. a.
Thränen vergossen MBH. 1, 4468. R. 2, 38, 21, 100, 37, 6, 24, 4, 41, 101, 3.
BHĀG. P. 4, 28, 49. — 2) drehen, dreheln: त्रष्टुं पदञ्च स्वपा अर्तयत्
RV. 1, 85, 9. त्रष्टुं ते वञ्चं ववृत्तत् 6, 17, 10. गुटिकाम् SOÇA. 2, 88, 20. =
वर्तुलं करोति SIDDH. K. zu P. 3, 1, 15. तो ऽमन्यत फलानीति मोदकाद्य
सुवर्तितान् R. GORR. 1, 9, 37. — 3) Etwas vor sich gehen —, einen Verlauf
nehmen —, von Stellen gehen lassen, verrichten: रोमन्थम् P. 3, 1, 15.
RAGH. 1, 52. घृतम् MBH. 2, 2508. यज्ञम् HARIV. 14378. इष्टिमन्त्रीम् BHĀG.
P. 9, 6, 26. पारायणम्, तुरायणम्, चान्द्रायणम् P. 5, 1, 72. संप्रति संभोग-
कामिप्रवृत्त्या वर्तितजन्मानः so v. a. erzeugt (प्रवृत्त्यावर्तितं gedr.
KUSUM. 23, 21. herrichten, zurichten: वर्तिते च सप्तद्वीपसमुद्रभूरविचित्रे
धरणीमण्डले PANĀT. 157, 24. सुवर्तित (जाल) MBH. 13, 2657. मक्तसा-
ह्यम् so v. a. an den Tag legen, äussern 4, 671. नात्तवर्तयति धनतसु ज-
लदेषामन्द्मुद्गर्तितम् so v. a. erheben MĀLAT. 153, 2. — 4) (eine Zeit)
verlaufen lassen, zubringen, verleben: पुष्करे तु ततः शेषं कालं वर्तित-
वान् MBH. 1, 7976. काश्चन — अर्तयत्समाः RAGH. 19, 4. रात्रिं कथंचिदे-
वेमो सोमित्रे वर्तयामहे R. 2, 33, 4. कया वृत्त्या वर्तितं ते परं वयः BHĀG.
P. 1, 6, 3. दुःखशोकवती लोके वर्तयिष्यामि जीवितम् das Leben hinbrin-
gen R. 4, 19, 11. दुर्गतिम् ein armseliges Leben führen R. SCHL. 1, 59, 21.
वृत्तिम् ein Leben —, eine Lebensweise führen: तत्र ° LĪT. 8, 12, 11, 10,
18, 11. मयि पञ्चत्वमापने का वृत्तिं वर्तयिष्यति R. 2, 63, 30, 7, 88, 3. ein
Verfahren einhalten LĪT. 8, 7, 10. — 5) intrans. sein Leben hinbringen.
ein Leben führen: दीर्घकालं मम क्रोधादुर्वृत्त्या वर्तयिष्यति R. GORR. 1,
61, 22. अनेन वृत्तेन M. 4, 260. प्रवृत्त्या 10, 98. कया वृत्त्या वर्तितं वञ्च-
रुद्धिः कितिमण्डलम् BHĀG. P. 1, 13, 8. एवं वर्तयन् KĀND. UP. 8, 13. वर्त-
यामास मुदितो देवराडिव नन्दने MBH. 3, 3065. R. 1, 77, 15, 2, 74, 24, 7,
88, 3. leben —, bestehen von (instr.): भैतेषां M. 2, 188, 11, 123. शिलो-
च्छायाम् 4, 10, 6, 20, fg. निन्दितैः कर्मभिः 10, 46, 50. कृच्छैः JĀGĀ. 3, 50.
MBH. 3, 2306, 4071, 13, 2595, 3238, 13723. HARIV. 1269, 3794, 11205. R.
2, 24, 2. RAGH. 12, 20. KĪR. 2, 18. Spr. 5002. VP. bei MUIA, ST. I, 181,
N. 12. BHĀG. P. 8, 19, 33. MĀK. P. 49, 28, 32, 60, 12. am Leben bleiben:
भवत्या च परित्यक्तो न नूनं वर्तयिष्यति R. 2, 24, 11 (25, 10 GORR.). 51,
12 (48, 12 GORR.). 86, 13 (94, 14 GORR.). R. GORR. 2, 63, 29, 113, 16, 3, 51,
12. KATHĀS. 66, 104. — 6) eine Begebenheit vorführen, erzählen: किं भूयो
वर्तयिष्यामि ते MBH. 1, 4589. घ्राष्याणम् 3, 328, 5, 5424, 12, 8493, 13,
435, 508, 2248, 3034, 4652, 14, 640. HARIV. 4379, 8553. R. 1, 5, 4. Verz.
d. Oxf. H. 8, a, 17. क्तवो वर्तयिष्यामि दानस्य फलमुत्तमम् auseinander-
setzen, vorführen MBH. 14, 2711. ब्रह्म verkünden, lehren BHĀG. P. 9, 16,
25. — 7) einsehen, erkennen: भावदितं क्रियदितं द्रव्यदितं यथात्मनः ।
वर्तयन् (= आलोचयन् Comm.) स्वानुभूत्येकं त्रीन्स्वप्नान्यनुते मुनिः ॥ BHĀG.
P. 7, 13, 62. — 8) शिरः oder शीर्षम् bei den Juristen so v. a. sich zu
einer Strafe bereit erklären, wenn der Andere durch ein Gottesurtheil
gereinigt wird, VISHNU in Z. d. d. m. G. 9, 679. JĀGĀ. 2, 96; vgl. शीर्षकस्य
95. — 9) mit dat. sich kümmern um, sorgen für: न्यायोपेतैः ÇĀK. 10,
GĀH. 4, 8.

— desid. विवर्तयते und विवृत्सति P. 1, 3, 92, 7, 2, 59. VOP. 8, 121,
19, 2. विवर्तयते, विवृत्सिता, विवृत्सितुम् P. 7, 2, 59, V & Artt., Schol.